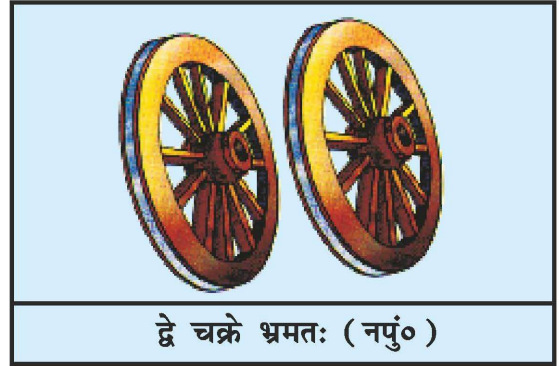
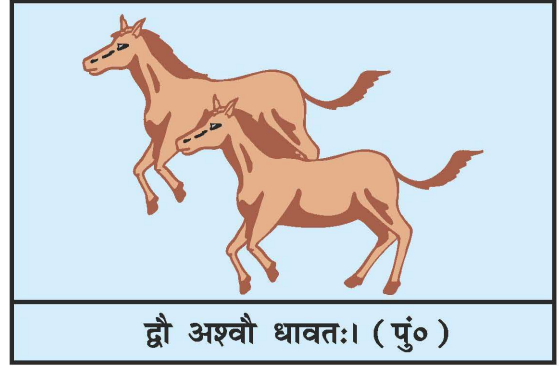
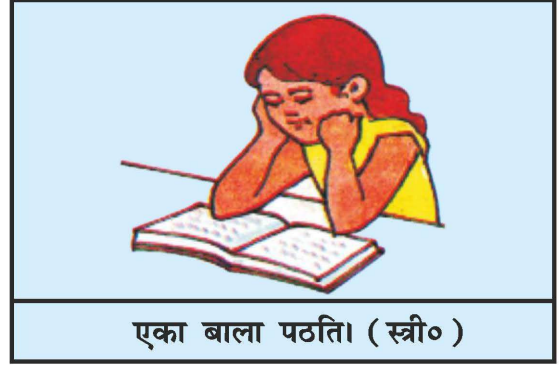
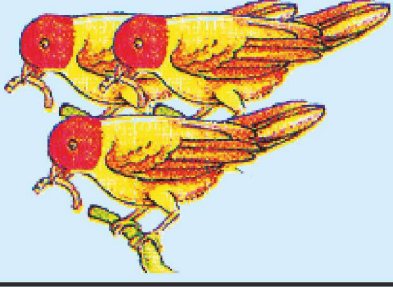


तृतीयः पाठः

## संख्याज्ञानम्

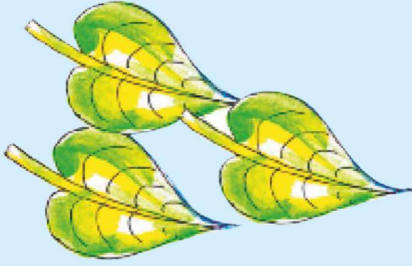




त्रयः खगाः कूजन्ति। (पुं०)



तिस्रः बालिकाः क्रीडन्ति। (स्त्री०)



त्रीणि पत्राणि पतन्ति। (नपुं०)



खट्वायाः चत्वारः पादाः सन्ति। (पुं०)



चतस्रः महिलाः भ्रमन्ति। (स्त्री०)



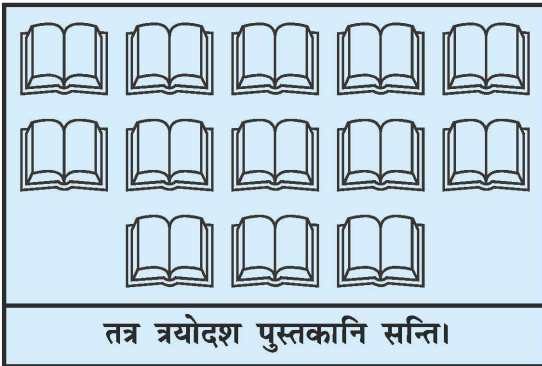
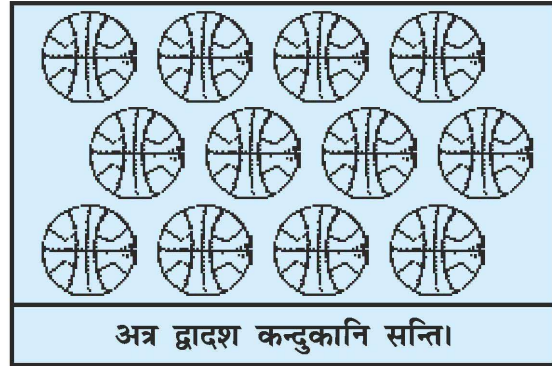
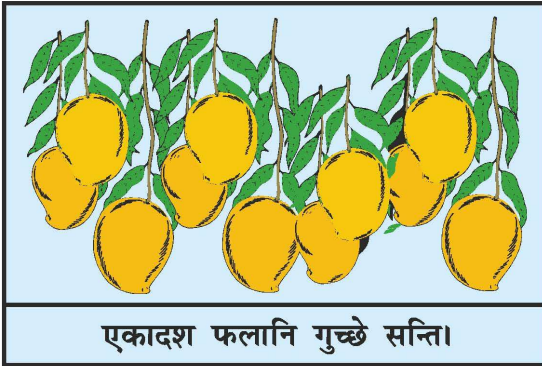
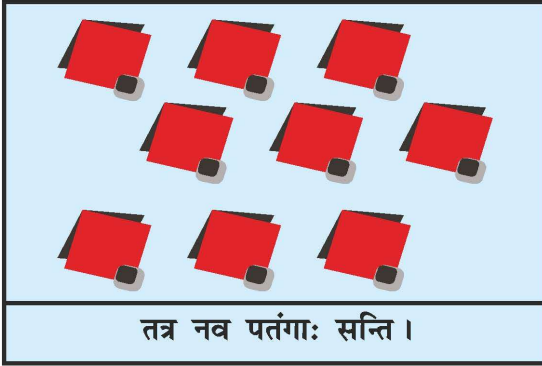
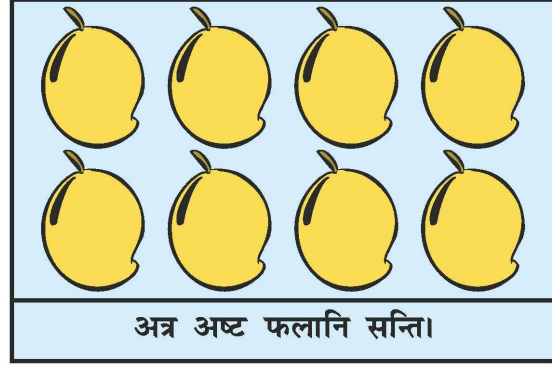
अत्र चत्वारि पुष्पाणि सन्ति। (नपुं०)



पञ्च पाण्डवाः गच्छन्ति।



भ्रमरस्य षट् पादाः सन्ति।



जले पञ्चदश मीनाः तरन्ति।

पुरा भारते षोडश जनपदाः आसन्।

इमानि सप्तदश चक्राणि चलन्ति।

पुराणानि अष्टादश सन्ति।

ऊनविंशतिः भ्रमराः भ्रमन्ति ।

विंशतिः चटकाः विहरन्ति।

**शब्दार्थः**

|                  |   |                        |
|------------------|---|------------------------|
| एकः ( पु० )      | = | एक                     |
| बालकः            | = | लड़का/बालक             |
| पठति             | = | पढ़ता है/पढ़ती है      |
| एका ( स्त्री० )  | = | एक                     |
| बाला             | = | लड़की/बालिका           |
| एकम् ( नपुं )    | = | एक                     |
| द्वौ ( पुं० )    | = | दो                     |
| अश्वौ            | = | दो घोड़े               |
| धावतः            | = | दौड़ते हैं             |
| द्वे ( स्त्री० ) | = | दो                     |
| महिले            | = | (दो) स्त्रियाँ/महिलाएँ |

|                  |   |                     |
|------------------|---|---------------------|
| चक्रे            | = | (दो) पहिये          |
| द्वे (नपुं)      | = | दो                  |
| भ्रमतः (द्वि०)   | = | घूमते हैं           |
| त्रयः (पुं०)     | = | तीन                 |
| खगाः             | = | चिड़ियाँ/पक्षिगण    |
| तिस्रः (स्त्री०) | = | तीन                 |
| क्रीडन्ति        | = | खेलती हैं/खेलते हैं |
| त्रीणि (नपुं०)   | = | तीन                 |
| पत्राणि          | = | पत्ते               |
| पतन्ति           | = | गिरते हैं           |
| चत्वारः (पुं०)   | = | चार                 |
| पादाः            | = | पैर                 |
| सन्ति            | = | हैं                 |
| चतस्रः (स्त्री०) | = | चार                 |
| भ्रमन्ति         | = | घूमती/घूमते हैं     |
| वृक्षे           | = | पेड़ में            |
| चत्वारि (नपुं)   | = | चार                 |
| पुष्पाणि         | = | फूल                 |
| पञ्च             | = | पाँच                |

|            |   |                 |
|------------|---|-----------------|
| पाण्डवाः   | = | पाण्डव          |
| भ्रमरस्य   | = | भ्रमर का/भौर का |
| षट्        | = | छह              |
| सप्त       | = | सात             |
| तारकाः     | = | तारे            |
| गगने       | = | आकाश में        |
| भान्ति     | = | चमकते हैं       |
| अष्ट       | = | आठ              |
| नव         | = | नौ              |
| पतंगाः     | = | पतंग            |
| दश         | = | दस              |
| मोटरयानानि | = | मोटरगाड़ियाँ    |
| एकादश      | = | ग्यारह          |
| गुच्छे     | = | गुच्छे में      |
| द्वादश     | = | बारह            |
| अत्र       | = | यहाँ            |
| कन्दुकानि  | = | गेंदें          |
| तत्र       | = | वहाँ            |
| त्रयोदश    | = | तेरह            |



|                |   |                      |
|----------------|---|----------------------|
| पुस्तकानि      | = | पुस्तकें/किताबें     |
| तिष्ठन्ति      | = | रखी हैं              |
| चतुर्दश        | = | चौदह                 |
| नृत्यन्ति      | = | नाचती हैं            |
| जले            | = | जल में/पानी में      |
| पञ्चदश         | = | पन्द्रह              |
| मीनाः          | = | मछलियाँ              |
| तरन्ति         | = | तैरते हैं/तैरती हैं  |
| पुरा           | = | पहले/प्राचीन काल में |
| षोडश           | = | सोलह                 |
| जनपदाः         | = | जनपद                 |
| आसन्           | = | थे                   |
| इमानि ( नपुं ) | = | ये                   |
| सप्तदश         | = | सत्रह                |
| चक्राणि        | = | चक्के                |
| चलन्ति         | = | चलते हैं             |
| एतानि ( नपुं ) | = | ये                   |
| अष्टादश        | = | अठारह                |
| पुराणानि       | = | पुराण                |

|           |   |                   |
|-----------|---|-------------------|
| ऊनविंशतिः | = | उन्नीस            |
| विंशतिः   | = | बीस               |
| चटकाः     | = | गौरेये (चिड़ियाँ) |
| विहरन्ति  | = | विहार करती हैं    |

### व्याकरणम्

**लिङ्ग-**संस्कृत शब्द तीन लिङ्गों में विभक्त हैं— पुँल्लिङ्ग., स्त्रीलिङ्ग. और नपुंसकलिङ्ग. । लिङ्ग. सभी सुबन्त शब्दों में अनिवार्य रूप से रहता है । कुछ शब्द केवल पुँल्लिङ्ग. हैं जैसे—गज, मीन, साधु, मुनि, राम, बालक, नर इत्यादि । कुछ शब्द केवल स्त्रीलिङ्ग. हैं जैसे—बालिका, लता, रमा, शाला (घर), विद्या, शिक्षिका, देवी, धेनु (गाय), भूमि इत्यादि । कुछ शब्द केवल नपुंसकलिङ्ग. में होते हैं जैसे—फल, धन, पात्र, अंग, गृह, उपवन, वारि, दधि इत्यादि । कोश-ग्रन्थों में संस्कृत शब्दों के लिङ्ग. बताये जाते हैं । विशेषण शब्दों का लिङ्ग. उनके विशेष्य के अनुसार होता है ।

जैसे—

**पुँल्लिङ्ग-**

1. अयम् बालकः चतुरः अस्ति ।  
(बालक पुँल्लिङ्ग है अतः उसके साथ जुड़े अयम् और चतुरः दोनों पुँल्लिङ्ग में हैं ।)
2. अयम् गजः विशालः अस्ति ।  
(गज के पुँल्लिङ्ग होने से अयम् और विशालः पुँल्लिङ्ग हैं ।)

**स्त्रीलिङ्ग-**

1. इयम् महिला कुशला अस्ति ।  
(महिला स्त्रीलिङ्ग है अतः उसकी विशेषता बतानेवाला कुशला शब्द तथा निर्देशक इयम् शब्द स्त्रीलिङ्ग में हैं ।)
2. इमाः बालिकाः सुरूपाः सन्ति ।  
(बालिकाः के अनुसार इमाः और सुरूपाः स्त्रीलिङ्ग बहुवचन में हैं ।)

**नपुंसकलिङ्ग-**

1. इदम् पुष्पम् सुन्दरम् अस्ति ।  
(पुष्प नपुंसकलिङ्ग में है अतः इदम् और सुन्दरम् भी उसी लिङ्ग में हैं।)
2. इमानि फलानि पक्वानि सन्ति ।  
(फलानि के अनुसार इमानि, पक्वानि हैं ।)



**वचन**—संस्कृत भाषा में शब्दों के तीन वचनों में प्रयोग होते हैं—

एकवचन, द्विवचन और बहुवचन । सभी लिङ्गों में ये वचन होते हैं । जैसे—

|             |   |        |        |           |
|-------------|---|--------|--------|-----------|
| पुँल्लिङ्ग  | — | बालकः  | बालकौ  | बालकाः ।  |
| स्त्रीलिङ्ग | — | बालिका | बालिके | बालिकाः । |
| नपुंसकलिङ्ग | — | फलम्   | फले    | फलानि ।   |

**इनके निर्देशक सर्वनाम शब्द इस प्रकार हैं —**

|             |   |      |     |         |
|-------------|---|------|-----|---------|
| पुँल्लिङ्ग  | — | अयम् | इमौ | इमे ।   |
| स्त्रीलिङ्ग | — | इयम् | इमे | इमाः ।  |
| नपुंसकलिङ्ग | — | इदम् | इमे | इमानि । |

**क्रियापदों में भी वचन इन शब्दों के कारण ही आते हैं । कुछ उदाहरण देखें —**

|             |   |                                      |
|-------------|---|--------------------------------------|
| पुँल्लिङ्ग  | — | अयम् बालकः पठति (एकवचन) ।            |
|             |   | इमौ बालकौ धावतः (द्विवचन) ।          |
|             |   | इमे गजाः चलन्ति (बहुवचन) ।           |
| स्त्रीलिङ्ग | — | इयम् लता पतति (एकवचन) ।              |
|             |   | इमे बालिके धावतः (द्विवचन) ।         |
|             |   | इमाः महिलाः गायन्ति (बहुवचन) ।       |
| नपुंसकलिङ्ग | — | इदम् पुष्पम् शोभनम् अस्ति (एकवचन) ।  |
|             |   | इमे पत्रे पततः (द्विवचन) ।           |
|             |   | इमानि फलानि पक्वानि सन्ति (बहुवचन) । |

हिन्दी में संख्यावाचक शब्दों के लिङ्ग में समानता है। संस्कृत में एक से चार तक की संख्याएँ तीन लिङ्गों में पृथक्-पृथक् होती हैं। एकः (पुं०), एका (स्त्री०), एकम् (नपुं०)। द्वि केवल द्विवचन में होता है, द्वौ (पुं०), द्वे (स्त्री० तथा नपुंसक)। त्रि और चतुर् केवल बहुवचन होते हैं, त्रयः (पुं०), तिस्रः (स्त्री०) त्रीणि (नपुं०)। चत्वारः (पुं०), चतस्रः (स्त्री०), चत्वारि (नपुं०)। पञ्च से आगे सभी संख्याएँ तीनों लिंगों में एक समान होती हैं।

## अभ्यासः

### मौखिकः

#### 1. उच्चारण करें :-

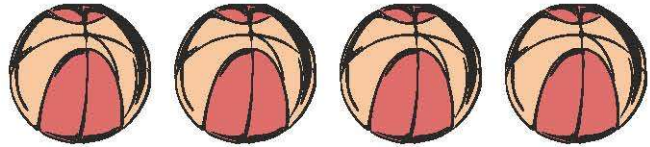
|     |              |          |                               |
|-----|--------------|----------|-------------------------------|
| (क) | एकः          | एका      | एकम्                          |
|     | द्वौ         | द्वे     | द्वे                          |
|     | त्रयः        | त्रिस्रः | त्रीणि                        |
|     | चत्वारः      | चतस्रः   | चत्वारि                       |
|     | पञ्च         | षट्      | सप्त                          |
|     | अष्टौ (अष्ट) | नव       | दश                            |
|     | एकादश        | द्वादश   | त्रयोदश                       |
|     | चतुर्दश      | पञ्चदश   | षोडश                          |
|     | सप्तदश       | अष्टादश  | एकोनविंशतिः (नवदश, ऊनविंशतिः) |
|     | विंशतिः      |          |                               |

|     |         |        |          |
|-----|---------|--------|----------|
| (ख) | बालकः   | बालकौ  | बालकाः   |
|     | गजः     | गजौ    | गजाः     |
|     | फलम्    | फले    | फलानि    |
|     | पुष्पम् | पुष्पे | पुष्पाणि |
|     | चक्रम्  | चक्रे  | चक्राणि  |
|     | बाला    | बाले   | बालाः    |
|     | चटका    | चटके   | चटकाः    |
|     | महिला   | महिले  | महिलाः   |

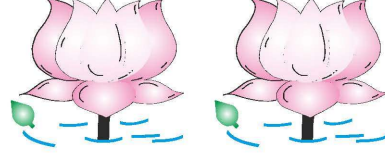
### लिखितः

#### 2. चित्र को देखकर संख्या लिखें :

(क) ..... कन्दुकानि ।



(ख) ..... पुष्पे ।



(ग) ..... बालकौ ।



(घ) ..... बालिका ।



(ङ) ..... कदली-फलानि



3. नीचे लिखी संख्याओं के संस्कृतपद लिखें :

|     |         |       |
|-----|---------|-------|
| यथा | ग्यारह  | एकादश |
|     | सात     | ..... |
|     | पाँच    | ..... |
|     | तेरह    | ..... |
|     | उन्नीस  | ..... |
|     | आठ      | ..... |
|     | पन्द्रह | ..... |
|     | अठारह   | ..... |

4. निम्नांकित संख्याओं को बढ़ते क्रम में पुनः लिखें :

|         |         |        |      |
|---------|---------|--------|------|
| पञ्च    | अष्टादश | द्वादश | नव   |
| त्रयोदश | सप्त    | एकादश  | अष्ट |

5. वर्णों को जोड़कर शब्द लिखें :

यथा- क् + ऋ + ष् + ण् + अः =

कृष्णः

(क) ब् + आ + ल् + अ + क् + अः =

(ख) प् + अ + त् + अ + न् + त् + इ =

(ग) न् + ऋ + त् + य् + अ + म् =

(घ) व् + अ + र् + ष् + आ =

6. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :—

(क) मम ..... कर्णौ स्तः ।

(ख) गजस्य ..... पादाः भवन्ति।

(ग) मम ..... नासिका अस्ति।

(घ) द्विचक्रिकायां ..... चक्रे भवतः।

(ङ) दशरथस्य ..... पुत्राः आसन्।

7. रेखा खींचकर मिलान करें :—

(i) षट्

(क) देवाः

(ii) पञ्च

(ख) हस्तौ

(iii) द्वौ

(ग) मुखम्

(iv) एकम्

(घ) वेदाः

(v) त्रयः

(ङ) ऋतवः

(vi) चत्वारः

(च) पाण्डवाः

